पता चला है तथा उस पर कितना व्यय होने की सम्भावना है?

वाणिज्य तथा इस्पात और खान मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी): (क) और (ख). राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के विचार में निर्यात के वर्तमान वायदों को देखते हुए विशाखापत्तनम इस्पात परियोजना की लौह अयस्क की आवश्यकता की पूर्ति बैलाडिला क्षेत्र की वर्तमान खानों से की जाएगी। यदि किसी समय राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के निर्यात वायदों में वृद्धि हो जाती है तो उनका विचार है कि बैलाडिला क्षेत्र में एक नई खान का विकास कर लिया जाएगा, जिसका समन्वेषण कार्य आरम्भ किया जा चुका है और परिणामों की प्रतीक्षा की जा रही है। वर्तमान अनुमानों के अनुसार नई खान की खोज पर लगभग 135 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है।

Production of Pig Iron in Steel Plants at Bhilai, Durgapur and Bokaro

662. SHRI PIUS TIRKEY: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) the present production of pig iron steel in Steel Plants of Bhilai, Durgapur, Bokaro and the unit of the Indian Iron and Steel Company;

(b) whether the production of pig iron in these sectors is proposed to be increased; and

(c) if so, how much and by what time?

THE MINISTER OF COMMERCE AND STEEL AND MINES (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) Production of pig iron in Bhilai, Durgapur and Bokaro Steel plants and Indian Iron and Steel Company during April and May 1980 was as follows:—

('000 tonnes)

Plants	Production	
	April' 1980	May, 1980
Bhilai. . . .	52·6	47·6
Durgapur. . .	8·2	17·8
Bokaro. . . .	44·7	69·1
IISCO. . .	12·0	8·7·7
Total . .	117·5	145·2

(b) and (c). It is planned to produce about 1.4 million tonnes pig iron during 1980-81, which would be approximately 43 per cent higher than the production in 1979-80.

ब्रिटेन के साथ आर्थिक और औद्योगिक सहयोग के बारे में मंत्री स्तर पर बातचीत

663. **श्री नन्द किशोर शर्मा**: क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ब्रिटिश सरकार ने आर्थिक और औद्योगिक सहयोग के बारे में मंत्री स्तर पर बातचीत करने का सुझाव दिया है;

(ख) यदि हां, तो उसकी रूपरेखा क्या है और क्या जून में ब्रिटेन जाने का उनका कोई कार्यक्रम है और यदि हां, तो वहां बातचीत के मुद्दे क्या होंगे?

वाणिज्य तथा इस्पात व खान मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी): (क) तथा (ख). ब्रिटेन सरकार के व्यापार विभाग में स्थायी सचिव श्री केनीथ क्लूकस ने हाल ही में अपनी भारत यात्रा के दौरान वाणिज्य मंत्री को, भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक तथा औद्योगिक सहयोग के बारे में बातचीत करने के लिये जहां तक हो सके इस वर्ष जून के पहले पखवाड़े में ब्रिटेन आने का निमंत्रण दिया। निमन्त्रण को स्वीकार कर लिया गया था लेकिन यह यात्रा जून, 1980 में संभव नहीं हो सकेगी।